CSSRI Karnal organized Kharif Kisan Goshti and Seed distribution Programme under Farmer FIRST Project

ICAR-Central Soil Salinity Research Institute, Karnal organized *Kharif* Kisan Goshti and Seed Distribution Programme at village Sampli Kheri, Kaithal under Farmer First Project (FFP) on May 15, 2019. A total of 100 farmers from the adopted village participated in the programme. At the outset Dr. Parvender Sheoran, PI Farmer First Project briefed about the ongoing activities and shared the project outcomes. He stressed upon the integrated use of gypsum and locally available pressmud application for sustaining crop productivity and neutralizing high RSC waters. He urged the farmers to use mobile app “Salinity Expert” for tackling crop specific problems.

Dr. Anil Kumar, Head, Division of Social Science Research and Chief Guest of the function expressed his view points regarding CSSRI technologies in the reclamation and management of sodic soils. The farmers were asked to acquire knowledge on market driven agriculture and organic farming practices for better income. Dr. Kailash Parjapat, CoPI of the FFP discussed about the nursery raising and diseases and pest management, LCC based N management in rice. Dr. Sohanvir Singh and Dr. Jaffer Yousuf Dar also shared their views on importance of balanced ration and mineral mixtures in regularization of infertility problems in animals, scope of fish farming, etc. The participating farmers were distributed 10 kg seed of salt tolerant rice variety CSR-30 Basmati. Later on, the scientist team visited farmers’ fields and fish ponds and shared need based advisories with the concerned farmers.

परियोजना | केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान द्वारा फार्मर फर्स्ट परियोजना के तहत किसानों को दिया बीज

लवणरोधी धान के बीज का किया वितरण

अमर उजाला ब्यूरो

कैथल। केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा चलाए जा रहे फार्मर फर्स्ट परियोजना के तहत 15 मई 2019 को गांव सांपली खेड़ी में खरीफ किसान गोष्ठी एवं बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में डा. अनिल कुमार, अध्यक्ष सामाजिक विज्ञान अनुसंधान विभाग ने किसानों को आय बढ़ाने हेतु बाजार आधारित खेती, फसल विविधीकरण एवं जैविक खेती अपनाने के लिये प्रेरित किया एवं जैविक खेती में फसल प्रबंधन की तकनीकों की जानकारी दी। फार्मर फर्स्ट परियोजना के मुख्य अन्वेषक डा. प्रवेंद्र श्योराण ने क्षारीय मृदा एवं जल प्रबंधन के लिये प्रेसमड एवं जिप्सम के प्रयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। करनाल स्थित राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान के डा. सोहनवीर सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने पशुओं में बांझपन की समस्या, दुधारू पशुओं की देखभाल एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं उचित स्वास्थ्य के लिये खनिज लवणों के महत्व पर प्रकाश डाला।

डा. कैलाश प्रजापत, वैज्ञानिक ने धान की उन्नत नर्सरी एवं फसल प्रबंधन की जानकारी दी। डा. डार यूसुफ जाफर ने किसानों को मछली पालन की संभावना पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आस-पास के परियोजना के अंतर्गत अंगीकृत गांवों के लगभग 100 किसानों को धान की लवण सहनशील किस्म सीएसआर-30 बासमती के 10 किलो बीज वितरित किया गया।

गांव सांपली खेड़ी में किसानों को लवणरोधी धान के बीज का वितरण करते वैज्ञानिक।